भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4726

उत्तर देने की तारीख : 21.08.2025

एमएसएमई का बंद होना

4726. श्री अभिषेक बनर्जी :

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 2024-25 में 35,500 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) बंद हो गए थें;

(ख) क्या यह सच है कि सबसे अधिक संख्या में एमएसएमई महाराष्ट्र में और उसके बाद तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक में बंद हुए और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या यह सच है कि सरकार की वर्ष 2023 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं के नेतृत्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की संख्या पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक थी?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) और (ख): सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को परिभाषित करने हेतु वर्ष 2020 में निवेश और टर्नओवर के दोहरे मानदंड पर आधारित एक संशोधित परिभाषा को अपनाया गया था और दिनांक 01.07.2020 को पंजीकरण के लिए, उद्यम पंजीकरण पोर्टल (यूआरपी) की शुरुआत की गई थी। दिनांक 11.01.2023 को, अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों (आईएमई) के लिए उद्यम असिस्ट प्लेटफ़ॉर्म (यूएपी) शुरू किया गया, जिन्हें जीएसटी दाखिल करने से छूट दी गई है। दिनांक 01.07.2020 से दिनांक 15.08.2025 तक, आईएमई सहित 6.69 करोड़ उद्यमों ने यूआरपी पर पंजीकरण कराया है।

स्वामित्व परिवर्तन, व्यावसायिक कार्य स्थल में परिवर्तन, बंद होने और अन्य कारण आदि जैसे विभिन्न कारणों से एमएसएमई का पंजीकरण रद्द हो जाता है। वर्ष 2024-25 के दौरान बंद होने वाले एमएसएमई की संख्या 39,446 थी। वर्ष 2024-25 के दौरान महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक राज्यों में बंद होने वाले एमएसएमई की संख्या क्रमशः 9,702, 4,900, 3,534, 3,274 और 2,187 थी।

(ग): संदर्भित डेटा वर्ष 2023-24 में एमएसएमई मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में उद्धृत किया गया है जो एनएसएसओ द्वारा एनएसएस की 73वें दौर की रिपोर्ट से संबंधित है, जिसमें अनुमान के आधार पर कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में 29,01,324 एमएसएमई सहित देश में 1,23,90,523 एमएसएमई महिला-स्वामित्व वाली एमएसएमई थी।

उद्यम पोर्टल की स्थापना के बाद से दिनांक 15.08.2025 तक, आईएमई सहित कुल 2,64,75,048 महिला-स्वामित्व वाले उद्यम यूआरपी पर पंजीकृत हो चुके हैं। इनमें से 27,65,525 महिला-स्वामित्व वाले उद्यम पश्चिम बंगाल में हैं।

*****